IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

वर्तमान में मुक्त विद्यालयी संस्था द्वारा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का अध्ययनः एक अवलोकन

[1]कला प्रसाद, [2]प्रो. अंशु भाटिया

[1]शोधार्थी, [2]निर्देशिका

[1]स्कूल ऑफ एजूकेशन

[1]जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान

सारांश

व्यावसायिक शिक्षा विकास के पथ का एक ऐसा मार्ग है, जो सिर्फ किसी राष्ट्र को विकासशील ही नहीं बनाता अपितु उस राष्ट्र के प्रत्येक निवासी की आर्थिक स्थिति का सुधार करके उसे पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर भी बनाता है। बदलते युग के साथ सरकार द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक सुधार रूपी परिवर्तन किये गए है, ऐसे में इसकी प्रभावशीलता का अध्ययन करने अति आवश्यक है, जिसके आधार पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की बाधाओं को जानने के साथ साथ उसकी संभावनाओं को भी इंगित किया जा सकता है। इस शोध लेख द्वारा वर्तमान में व्यावसायिक शिक्षा की प्रभावशीलता का अध्ययन करने हेतु मुक्त विद्यालयी संस्था के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

विशिष्ट शब्द– **व्यावसायिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता**

1. प्रस्तावना

भारत में व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रथम पंचवर्षीय योजना से अब तक अनेक सुधार व परिवर्तन किये गए है जिसके अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम में कौशल विकास को महत्व दिया गया तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के द्वारा विद्यार्थियों में कौशल विकास को आवश्यक माना गया। व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का न सिर्फ नवीनीकरण किया गया है, अपितु अनेक नवीन पाठ्यक्रमों को भी उद्योग जगत से जोड़ा गया है। बढ़ती हुई बेरोजगारी को देखते हुए यह जानना अति आवश्यक हो गया है कि व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में इस अनूठी पहल से वर्तमान में युवा वर्ग कितना लाभान्वित हो पाया है तथा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम विद्यार्थियों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है। इस क्षेत्र सम्बन्धित निम्न अध्ययनों में **नागपाल (2010)**[1] ने "इम्पॉर्टिंग वोकेशनल ट्रेनिंग टू द यूथ थ्रू नॉन फॉर्मल एजुकेशन– ए केस ऑफ एन.जी.ओ. इन दिल्ली" में पाया कि विद्यालय से उत्तीर्ण ज्यादातर विद्यार्थी शैक्षिक योग्यता व पर्याप्त तकनीकी कौशल की कमी के कारण बेरोजगार थे, जिन्हे व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से व्यावसायिक कौशल बनाकर रोजगार के अवसरों से लाभान्वित किया जा सकता था। व्यावसायिक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में औपचारिक क्षेत्रों की तुलना गैर औपचारिक क्षेत्र द्वारा छात्रों को अधिक कौशलता प्रदान की जा रही थी, साथ ही स्वैच्छिक संगठनों में चलाये जाने वाले व्यावसायिक कार्यक्रमों में सुधार तथा सरकारी संस्थानों व गैर सरकारी संगठनों के बीच नियोजन रणनीतियों को लागू करने के लिए उचित जुड़ाव की आवश्यकता थी। **इफ्फाह (2014)**[2] ने "द इम्पैक्ट ऑफ टी.वी.ई.टी ऑन घाना सोशिओ इकोनॉमिक डेवलपमेंटः ए केस स्टडी ऑफ आई.सी.सी.ई.एस., टी.वी.ई.टी. स्किल्स ट्रेनिंग इन टू रीजन्स ऑफ घाना" में पाया कि तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को कौशल प्रदान करके उपयुक्त रोजगार के अवसर पाने में लाभदायक रहा जो उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति पर सामाजिक, पारिवारिक एवं वित्तीय बाधाएं दूर करने के लिए सकरात्मक रूप से प्रभावित करती है।

2. शोध के उद्देश्य–

- मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों पर व्यवसायिक पाठ्यक्रम की अवधि, अन्तराल व पाठ्यक्रम के चयन की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
- मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों के शैक्षिक योग्यता व माध्यम के आधार पर व्यवसायिक शिक्षा की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

3. संक्रियात्मक शब्दावली की व्याख्या–

व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम – व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम से अभिप्राय सरकार द्वारा कौशल विकास मिशन के तहत व्यावसायिक शिक्षा की उस नवीनीकरण से लिया गया है, जिसमें राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक योग्यता फ्रेमवर्क के द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के विकास हेतु विभिन्न नवीन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को संचालित करने के साथ–साथ उद्योग क्षेत्रों की सहकार्यता से भी चलाया जा रहा है।

प्रभावशीलता– इस शब्द का तात्पर्य व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता से लिया गया है।

4. शोध अध्ययन से संबंधित प्रश्न–

- मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों पर व्यवसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम की अवधि अन्तराल व पाठ्यक्रम के चयन का क्या प्रभाव पड़ता है?
- .मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों के शैक्षिक योग्यता व माध्यम के आधार पर व्यवसायिक शिक्षा कितनी प्रभावशाली रही?

5. शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में समस्या की प्रकृति व प्रस्तावित उद्देश्यों के स्वरुप को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण विधि व विषय–वस्तु विश्लेषण प्रविधि का प्रयोग किया गया है।

5.1. न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान से जुड़े विद्यालयों/महाविद्यालयों द्वारा संचालित व्यावसायिक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल दस व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 128 विद्यार्थियों के प्रदत्तों को सम्भाव्य न्यादर्श की सरल यादृच्छिक विधि का प्रयोग करते हुए न्यादर्श के रूप में शामिल किया गया है। जिसके अंतर्गत डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, कटिंग, टेलरिंग एंड ड्रेस मेकिंग, सर्टिफिकेट इन अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन, फर्नीचर एंड कैबिनेट मेकिंग, सर्टिफिकेट इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर हार्डवेयर असेंबली एंड मेंटेनेंस, जन स्वस्थ्य, होम्योपैथिक डिस्पेंसिंग, योग व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को लिया गया है।

5.2. उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए मुक्त विद्यालयों में संचालित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता को ज्ञात करने हेतु विद्यार्थियों के लिए प्रश्नावली को निर्मित किया गया है। जिसके अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम को प्रभावित करने सम्बन्धित अनेक बिंदुओं पर प्रश्नों को निर्मित किया गया तथा सम्बन्धित विषय पर व्यावसायिक विद्यार्थियों के मतों को जानने हेतु प्रत्येक प्रश्नों के नीचे पर्याप्त रिक्त स्थान दिया गया।

5.3. तथ्यों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति निम्न कारक प्रभावित करते है–

5.3.1. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति विभिन्न पर्णधारियों में रूचि– विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यालय प्रशासकों व्यावसायिक प्रशिक्षकों व विद्यार्थियों की रूचि व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्बन्धित विद्यार्थियों के नामांकन स्तर को सकरात्मक व नकरात्मक दोनों ही प्रकार से प्रभावित करती है। अधययन से ज्ञात हुआ कि हेल्थ एंड पैरामेडिकल साइंस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के नामांकन का स्तर अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक रहा है।

5.3.2. विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की विषयवस्तु– विद्यार्थियों के मतानुसार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की विषयवस्तु सम्बन्धित पाठ्यक्रम की भाषा विद्यार्थियों के शैक्षिक योग्यता के अनुरूप न होने से विद्यार्थियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण को प्रभावित करती है, जिसके अंतर्गत होम साइंस सम्बन्धित व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल रहे।

5.3.3. व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्बन्धित चयन व जागरूकता– विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का अपनी स्वेच्छा से चयन किये गए विषय का सकरात्मक प्रभाव पड़ा है, वहीं अभिभावकों की राय से चयन किये गए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विद्यार्थियों पर नकरात्मक प्रभाव पड़ा है ,जिसके अंतर्गत टीचर ट्रेनिंग, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व हेल्थ एंड पैरामेडिकल साइंस सम्बन्धित कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्मिलित रहे। तथा विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को सहपाठियों व संचार साधनों द्वारा मिली जानकारी पाठ्यक्रमों के प्रति उनकी जागरूकता को सकरात्मक रूप से प्रभावित करती पाई गई।

5.3.4. विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कारक– अध्ययन से ज्ञात होता है कि विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का रोजगार के उद्देश्य से व स्व–व्यवसाय हेतु लिए गए प्रवेश के कारक विद्यालय में उनकी उपस्थिति को सकरात्मक रूप से प्रभावित करते है,जबकि उच्च शिक्षा में प्रवेश हेतु विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम में किया गया उनका नामांकन विद्यार्थियों की विद्यालय में उपस्थिति को नकरात्मक रूप से प्रभावित करती है । जिसके अंतर्गत कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी व हेल्थ एंड पैरामेडिकल साइंस के कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल है।

5.3.5. व्यावसायिक प्रशिक्षकों की व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति– विद्यार्थियों के अभिमत से यह स्पष्ट हुआ कि विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति व्यावसायिक प्रशिक्षकों की अभिवृत्ति सकरात्मक पायी गयी है तथा व्यावसायिक प्रशिक्षक विद्यार्थियों को भविष्य में व्यावसायिक पाठ्यक्रम की उपयोगिता से अवगत कराने के साथ साथ उन्हें प्रशिक्षण हेतु प्रोत्साहित भी करते पाए गए।

5.3.6. उत्तीर्ण विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया– विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया व उनकी रोजगार की स्थिति भी वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रति दृष्टिकोण को सकरात्मक व नकरात्मक रूप से प्रभावित करती पाई गई । प्रदत्तों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि हेल्थ एंड पैरामेडिकल साइंस ,कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ,इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व होम साइंस सम्बन्धित कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति उत्तीर्ण विद्यार्थियों की नकरात्मक प्रतिक्रिया रही ,वही इन क्षेत्रों के कुछ पाठ्यक्रम व टीचर ट्रेनिंग सम्बन्धित पाठ्यक्रम के लिए उत्तीर्ण विद्यार्थियों के मध्य सकरात्मक प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई है।

6. निष्कर्ष–

विद्यार्थियों के अभिमतों द्वारा प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों की शैक्षिक योग्यता प्रभावित करती है जैसे– कटिंग, टेलरिंग एंड ड्रेस मेकिंग। वहीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का माध्यम विद्यार्थियों को किसी प्रकार से प्रभावित नहीं करता है, क्योंकि विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में ज्यदातर पाठ्यक्रम हिंदी, अंग्रेजी व उर्दू तीनों ही माध्यम में उपलब्ध है। केवल डिप्लोमा इन मेडिकल

लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट इन कंप्यूटर एप्लीकेशन ही अंग्रजी माध्यम में उपलब्ध है।

व्यावसायिक प्रशिक्षकों के तथ्यों से ज्ञात हुआ कि इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों की शैक्षिक अर्हता पाठ्यक्रमों के अनुरूप तय की गई है, जिससे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने में बाधा उत्पन्न नहीं होती है। विद्यार्थियों द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की नामांकन संख्या कम होने का कारण विद्यालय प्रशासकों द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति सामान्य रूचि रखते है तथा कई विद्यार्थी प्रवेश लेने के उपरांत उत्तीर्ण विद्यार्थियों से रोजगार सम्बन्धित नकरात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होने से प्रशिक्षण को मध्य में ही छोड़ देते है।

7. सुझाव

कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशासकों व संस्था को विशेष सुधार की आवश्यकता है जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण से संतुष्ट करके उन्हें अधिक से रोजगार के अवसरों से लाभान्वित किया जा सके। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के पुनर्निर्माण व उन्नयन हेतु पुनः निरीक्षण कर विद्यार्थियों की शैक्षिक योग्यताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को निर्मित करने की आवश्यकता है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से सभी विद्यार्थियों को कुशल रोजगार प्रदान करने हेतु व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्बन्धित अन्य समस्याओं को उजागर कर उनका निदान करने की आवश्यकता है विद्यालय प्रशासकों द्वारा पाठ्यक्रमों की सफलता हेतु सम्मेलनों, व्याख्यानों व गोष्ठियों के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति उनकी जागरूकता को सकरात्मक दिशा प्रदान कर बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. नागपाल, वी. (2010). इम्पॉर्टिंग वोकेशनल ट्रेनिंग टू यूथ थ्रू नॉन फॉर्मल एजुकेशन– ए केस ऑफ एन. जी. ओ. इन दिल्ली. (3 एडिशन., वॉल्यूम 71). इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 41–56.

2. इफ्फाह, बी . (2014). द इम्पैक्ट ऑफ टी. वी. ई. टी. ऑन घाना सोसिओ –इकोनॉमिक डेवलपमेंटः ए केस स्टडी ऑफ आई. सी. सी. ई. एस., टी. वी. ई. टी. स्किल्स ट्रेनिंग इन टू रीजंस ऑफ घाना. अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेम्पररी रिसर्च, 4, 185–192.

3. अग्रवाल, जे. (2008). डेवलपमेंट एंड प्लानिंग ऑफ मॉडर्न एजुकेशन. (9 एडिशन .). नई दिल्लीः विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट. लिमिटेड.

4. भटनागर (2008). रीडिंग्स इन फॉउण्डेशन्स एंड प्रोसेसेज ऑफ एजुकेशनः ए टेक्स्ट बुक. मेरठः इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, लॉयल बुक डिपो.

5. मेहरोत्रा (2014). इंडिया स्किल्स चौलेंजः रेफोर्मिंग वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग टू हार्नेस द डेमोग्राफिक डिविडेंड , ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस